

धृतः, नरः, निर्जितः, परिः, पुण्यः, पूर्णः, प्रचण्डः, प्रज्ञाः, प्रतिः, प्र-
भाकरः, बलः, बल्ललः, भद्रः, भदत्तः, भानुः, भास्करः, भूतिः, भोगः,
मयूरः, महेन्द्रः, मित्रः, पञ्चः, यशः, रत्नः, रामः, लक्ष्मी (लक्ष्मीवर्म-
देव), विन्ध्यः, शंकरः, शतः, शार्दूलः, शूरः, सुः, सुभटः.

वर्मवत् (von वर्मन्) 1) adj. gepanzert: कृपाः MBh. 6, 3975. — 2) n.
eine unbefestigte (!) Stadt: प्राकारं (lies प्राकार) परिखाहीनं पुरं वर्मव-
डुच्यते Mārk. P. 49, 46.

वर्मकर (वर्मन् + कर) adj. schon einen Panzer tragend, das Jünglings-
alter habend Ragh. 8, 93. Kathās. 33, 122. — Vgl. कवचकर.

वर्माय, वर्मायते denom. von वर्मन् P. 4, 4, 15, Schol.

वर्मि m. ein best. Fisch Rāgav. im ÇKDr. Suçr. 1, 40, 12. 206, 6. 228,
13. Vāgh. 6, 54.

वर्मिक (von वर्मन्) adj. gepanzert, geharnischt gaṇa व्रीक्षादि zu
P. 5, 2, 116.

वर्मिते (wie eben) adj. dass. gaṇa तारकादि zu P. 5, 2, 36. AK. 2, 8, 2,
33. Traik. 3, 3, 234 (s. Corrigg.). H. 766. Halāj. 2, 305. वाजिनां वर्मिता-
ज्ञानाम् R. Gorr. 2, 91, 15.

वर्मिन् (wie eben) adj. dass. gaṇa व्रीक्षादि zu P. 5, 2, 216. RV. 6, 27,
6. 75, 1. 9, 108, 6. AV. 11, 10, 23. 19, 30, 1. VS. 16, 35. Çat. Br. 13, 5, 2,
16. fg. Pār. Gṛh. 2, 17. MBh. 1, 1482. 7654. 7765. 3, 1863. 5362. 7, 3103.
8025. Hariv. 3582.

वर्मष m. ein best. Fisch Rāgav. im ÇKDr.

वैर्य (von 2. वर) P. 3, 1, 101. 1) adj. a) f. wählbar, um die man
freien kann: शतेन वर्या कन्या P. 3, 1, 101, Schol. Vop. 26, 16. — b) vor-
trefflich, ausgezeichnet, der beste Vop. 26, 16. AK. 3, 2, 7. H. 1438. Med.
j. 39. Halāj. 4, 4. TBr. 3, 9, 24, 1. देवानां वर्यस्य des besten unter den
Göttern Vop. 3, 23. gewöhnlich am Ende eines comp.: नरः der beste
unter den Männern, ein vorzüglicher Mann MBh. 3, 957. नरदेवः 12330.
कुरुवृद्धः 13, 673. विप्रः Hariv. 14399. 15074. R. 2, 67, 23. 4, 29, 28. Spr.
4340. Golādh. 3, 21. Daçak. 71, 11. Bhāg. P. 1, 5, 9. 9, 41. 11, 33. 15, 15.
16, 1. 19, 11. 2, 7, 45. 3, 1, 5. 5, 4. 23, 4. 4, 10, 20. Mārk. P. 61, 36. 69, 7.
72, 2. सर्वः R. 7, 23, 4, 67. करेणुः Kir. 7, 20. रथः MBh. 2, 938. 7, 4692.
8, 756. मलः Pāñār. 3, 7, 1. पूर्वयामयोद्याम् R. 2, 111, 18. क्लृप्तः s. u.
क्लृत्पूर्व. — 2) m. der Liebesgott Med. — 3) f. मा ein Mädchen, das
selbst den Gatten sich wählt (wohl durch Missverständnis von 1) a)
AK. 2, 6, 4, 7. H. 311. Halāj. 2, 328. — Vgl. यतिवर्ष.

वर्व viell. eine best. Münze: द्यात्प्रकृष्टा निपुतं वर्वाणा राजघातिने
Kām. Niris. 19, 18.

वर्वणा f. eine Fliegenart (नीला मलिका) AK. 2, 5, 26. H. 1214. —
Vgl. लुङ्.

वर्वरि m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 53, a, 32.

वैर्वि Uṇādis. 4, 53. adj. = घस्मर Ucéval.

वर्वर m. eine best. Pflanze, = युगलाख्य u. s. w. Rāgav. im ÇKDr. —
Vgl. जालवर्वरक.

वर्ष, वर्षति Dhātup. 26, 116 (वर्षणे).

वर्षम् m. = zend. bareçman Verz. d. Oxf. H. 33, b, 10. वर्स, वर्सम
Reinaud, Mém. sur l'Inde 393. fg.

वर्ष, वर्षति Dhātup. 17, 56 (सेचने, हिंसाक्लेशनयोश्च, दाने, प्रज्ञेनैश्चे).

वर्ष, वर्षति, वर्षिष्यति; aus metrischen Rücksichten häufig auch
med. वर्षते u. s. w.; वर्षस्व u. s. w. s. u. मा: वर्षितुम्; वर्षिता und वृ-
ष्टः; वर्षः; regnen; das Subject ist, wenn das Verbum nicht unpersönlich
gebraucht wird, der Regen, Parjanya, Indra, der Gott, der Himmel,
die Wolken u. s. w. अर्वाषीर्वर्षमुडू षू गृभाय (पर्जन्या) RV. 5, 83, 10. यत्ते
अर्वाष्यं विद्युतो दिवो वर्षति वृष्टयः 84, 3. सर्गा वर्षस्य वर्षतो वर्षन्तु पृथि-
वीमनु AV. 4, 15, 4. तुभ्यं वर्षन्तुमन्यायः 8, 1, 5. 9, 1, 9. ईश्वरः पर्जन्या
ऽवष्टेः (वष्टेः Hdschr.) es ist möglich, dass P. nicht regnet Ait. Br. 3,
18. VS. 22, 26. der Himmel Kāth. 25, 10. स्तोकाः Çat. Br. 3, 8, 2, 22. —
पर्जन्यो वर्षतो वरः MBh. 4, 43. पर्जन्यः पर्वते वर्षन् 10, 74. 14, 2859. R. 5,
36, 43. Varāh. Brh. S. 26, 14. Bhāg. P. 1, 10, 4. समा द्वादश न वर्षर्ष सह-
स्रातः MBh. 1, 6621. वलवृत्रह 3, 9992. वासवः 4, 1498. Spr. 2367. Bhāg.
P. 1, 16, 21. 3, 2, 33. 23, 42. 5, 4, 3. क्षेत्रेषु वर्षति तदनुगुणं नरेन्द्रे Kathās.
20, 228. इन्द्रं वर्षमाणम् MBh. 1, 8172. 13, 811. देवो न वर्षर्ष Nir. 2, 10.
MBh. 14, 2860. R. 1, 9, 56. R. Gorr. 1, 8, 25. Suçr. 1, 170, 4. Varāh. Brh.
S. 81, 26. Kathās. 3, 72. वर्षते देवः Bhāg. P. 3, 29, 40. अथो वर्षाम हि वयं
(die Götter) नरास्तुर्ध्रप्रवर्षिणाः MBh. 12, 2147. अथो हि वर्षाम वयं म-
र्त्याश्चोर्ध्रप्रवर्षिणाः । तोयवर्षेण हि वयं कृषिवर्षेण मानवाः ॥ Mārk. P.
16, 40. वर्षन्निवाम्बुदः MBh. 14, 1979. R. 5, 17, 3. Spr. 1191, v. 1. 1255.
Bhāg. P. 8, 24, 41. मेघो ऽत्र तावदागत्य वृष्टवान् Kathās. 40, 91. प्रारभे
वर्षितुं घनः 62, 196. Pāñār. 94, 3. वर्षमाणा घना इव MBh. 1, 5464. 4,
1902. 6, 5268. R. 7, 7, 2. न तस्य वर्ष (subj.) वर्षति वर्षकाले MBh. 3, 386.
वर्षं भूत्वा वर्षतो काननेषु 14, 269. गाङ्गमाश्रयते मासि प्रायशो वर्षति Suçr.
1, 170, 2. 3. वर्षति गर्भः Varāh. Brh. S. 21, 35. वर्षषू रुधिराद्यामृक्पूषवि-
ण्मूत्रमेदसः Bhāg. P. 4, 10, 24. नावर्षन समतपत् es regnete nicht, die
Sonne schien nicht Ait. Br. 4, 27. TS. 2, 1, 3, 3. 4, 20, 1. सर्वानूतन्वर्षति
5, 1, 5, 2. Çat. Br. 1, 5, 2, 19. 8, 2, 11. वर्षिष्यत्येषमः पर्जन्यो वृष्टिमान्भवि-
ष्यति es wird heuer regnen, P. wird regenreich sein 3, 3, 4, 11. 7, 2, 4, 5.
10, 6, 4, 1. परमाद्वा एतत्स्थानादवर्षति यदिवः 11, 1, 16. Kāth. Up. 2, 3,
2. Varāh. Brh. S. 23, 5. तेषा वर्षतं तथा किम् तथा घृणिं तितिलिष्यते
Regen, Kälte und Hitze Çat. Br. 3, 1, 2, 4. वर्षति während es regnet, bei
Regen 7, 5, 2, 41. Kāth. Çr. 18, 6, 25. Āçv. Gṛh. 3, 9, 6. M. 4, 38. 11, 113.
MBh. 4, 171. Hariv. 12014. Bhāg. P. 9, 2, 4. अर्वाषति TS. 2, 4, 20, 1. यथा
वा वर्षतो धारा अस्मद्योः स्म केनचित् die Regentropfen MBh. 3, 10299.
Mārk. P. 15, 71. वृष्टी RV. 5, 83, 14. — मेघः प्रवृते तत्र धारासारेण वर्षि-
तुम् Kathās. 12, 110. रुधिरधाराभिर्वर्षतो मेघाः R. 3, 30, 4. प्रसूनवर्षव-
वृषुः सुरस्त्रियः Bhāg. P. 7, 8, 35. 4, 10, 16. उभावुभयतस्तोद्विषौः शर्वर्षैर्व-
र्षताम् MBh. 3, 15731. किं ममोप्यनवर्षतं व्यसनशतैर्वर्षति विधाता Pāñ-
ār. 143, 14. एवं स वसुधाराभिर्वर्षमाणो नृपाम्बुदः MBh. 15, 420. — प्रा-
वृषीव च पर्जन्यो ववृषे निर्मलं पयः 13, 6871. तच्च मेघगतं वारि शक्ते वा-
र्षति 3235. यस्मिन्निर्णयं ववृषे मघवा परिवत्सरम् 12, 918. दिव्याः सुम-
नसः पुण्या ववृषे पाकशासनः 14, 2394. शोषितम् Hariv. 9869. कामान्स-
र्वान्वर्षतु वासवो वा MBh. 14, 270. न तेषु वर्षति देवो भौमान्यम्योसि VP.
bei Muir, ST. I, 186, N. 4. MBh. 1, 1419. वर्षध्वममृतं शुभम् (मेघाः) 1297.
तेर्मैवैः सततासारं वर्षद्भिः 1300. 1420. R. 3, 29, 1. Bhāg. P. 4, 14, 16. 3,
19, 19. उपकारं सुहृद्गो यो ऽपकारं च शत्रुषु । नृमेघो वर्षति Spr. 3796.
नभो रक्तं गोष्पदं वर्षर्षः Bhāṭṭ. 14, 20. पुष्पवृष्टिमवर्षन् (तरुणाः) R. 5,
16, 17. कल्पवृक्षो ववर्ष सः । कनकं भूतले भूरि Kathās. 22, 34. यज्ञसेनः